एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन किया

ग्रेटर नोएडा। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी ने 1 मार्च को सीआरसी के सहयोग से "चेंजिंग एचआर लैंडस्केपः हिडन रोल्स एंड इवॉल्विंग रिस्पॉन्सिबिलिटीज" थीम पर एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन किया। मानव संसाधन क्षेत्र के विशेषज्ञ प्रतिष्ठित पैनलिस्टों को पाकर बहुत खुशी हुई। पैनल में था;

सुजीत कुमार, एचआर हेड सेल्स, मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड।

मनोज कुमार सिन्हा, संस्थापक-एचआर एज।

सुश्री कीर्ति सिंह, महाप्रबंधक-मानव संसाधन एवं प्रशासन (ओपीएस) रिले एक्सप्रेस प्राइवेट।

लिमिटेड

अमित झा, मिंडा कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लीड- टैलेंट मैनेजमेंट और एचआर ऑपरेशन।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर.के. सिन्हा सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के शुभ समारोह के साथ हुई। कुलपति एचआर विशेषज्ञों को एचआर कॉन्क्लेव के पैनलिस्ट के रूप में पाकर खुश थे। उन्होंने कहा, एचआर एक कठिन काम है और हर संगठन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है- भर्ती से लेकर, कर्मचारियों का प्रबंधन, रिकॉर्ड और कर्मियों का प्रशासन आदि। प्रौद्योगिकी मदद करने के लिए है लेकिन मानवीय स्पर्श की जगह नहीं ले सकती। इसी तरह, किसी संगठन का एचआर कम से कम समय में कर्मचारियों को बनाए रखने और उनके मानसिक विकास पर जोर देता है। इसलिए एचआर किसी संगठन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्तिगत कर्मचारियों की सफलता और मान्यता में केवल उनकी शैक्षिक योग्यता, संबंधित डोमेन में ज्ञान, कार्यस्थल में लचीलापन, संसाधनों का कुशल उपयोग और निश्चित रूप से संगठन की वृद्धि और राजस्व शामिल नहीं है। एसओएम की प्रभारी डीन प्रोफेसर श्वेता आनंद ने विश्वविद्यालय में एक भव्य कार्यक्रम होने पर खुशी व्यक्त की और वीसी सर का स्वागत किया और प्रतिभागियों को चर्चा से लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रोफेसर वर्षा दीक्षित ने कार्यक्रम के पैनलिस्टों का स्वागत किया। उन्होंने उत्सुकता व्यक्त की कि छात्रों को उस ज्ञान से खुद को समृद्ध बनाना है जो पैनलिस्ट प्रतिभागियों के साथ साझा करेंगे। पैनलिस्टों से पूछा गया पहला सवाल थाः युवाओं के लिए किस तरह के करियर के अवसर उपलब्ध हैं? पैनलिस्ट की ओर से श्री सुजीत कुमार ने बातचीत की शुरूआत करते हुए कहा कि युवाओं को प्रौद्योगिकी और एआई सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हर चीज एक अवसर है जो पेशा हमें देता है। उन्हें आसान और कठिन के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। आसान अवसर वे हैं जिनका हमने अतीत में सामना किया और उन पर विजय पाई

वेदांत करंट न्यूज़

राष्ट्रीय पत्रिका

उत्तर प्रदेश Uphin 2022/83969

Gbu व्यक्तिगत कर्मचारियों की सफलता और मान्यता में केवल उनकी शैक्षिक योग्यता, संबंधित डोमेन में ज्ञान, कार्यस्थल में लचीलापन, संसाधनों का कुशल उपयोग और निश्चित रूप से संगठन की वृद्धि और राजस्व शामिल नहीं है

Live

Live

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी ने 1 मार्च 2024 को सीआरसी के सहयोग से "चेंजिंग एचआर लैंडस्केप: हिडन रोल्स एंड इवॉल्विंग रिस्पॉन्सिबिलिटीज" थीम पर एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन किया। मानव संसाधन क्षेत्र के विशेषज्ञ प्रतिष्ठित पैनलिस्टों को पाकर बहुत खुशी हुई। पैनल में था;

• श्री सुजीत कुमार, एचआर हेड सेल्स, मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड।

• श्री मनोज कुमार सिन्हा, संस्थापक-एचआर एज।

• सुश्री कीर्ति सिंह, महाप्रबंधक- मानव संसाधन एवं प्रशासन (ओपीएस) रिले एक्सप्रेस प्राइवेट। लिमिटेड

• श्री अमित झा, मिंडा कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लीड-टैलेंट मैनेजमेंट और एचआर ऑपरेशन।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर.के. सिन्हा सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के शुभ समारोह के साथ हुई।

कुलपति एचआर विशेषज्ञों को एचआर कॉन्क्लेव के पैनलिस्ट के रूप में पाकर खुश थे। उन्होंने कहा, "एचआर एक कठिन काम है और हर संगठन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है- भर्ती से लेकर, कर्मचारियों का प्रबंधन, रिकॉर्ड और कर्मियों का प्रशासन आदि। प्रौद्योगिकी मदद करने के लिए है लेकिन मानवीय स्पर्श की जगह नहीं ले सकती।

इसी तरह, किसी संगठन का एचआर कम से कम समय में कर्मचारियों को बनाए रखने और उनके मानसिक विकास पर जोर देता है। इसलिए एचआर किसी संगठन का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

उन्होंने आगे कहा कि व्यक्तिगत कर्मचारियों की सफलता और मान्यता में केवल उनकी शैक्षिक योग्यता, संबंधित डोमेन में ज्ञान, कार्यस्थल में लचीलापन, संसाधनों का कुशल उपयोग और निश्चित रूप से संगठन की वृद्धि और राजस्व शामिल नहीं है।

एसओएम की प्रभारी डीन प्रोफेसर श्वेता आनंद ने हमारे विश्वविद्यालय में एक भव्य कार्यक्रम होने पर खुशी व्यक्त की और वीसी सर का स्वागत किया और प्रतिभागियों को चर्चा से लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रोफेसर वर्षा दीक्षित ने कार्यक्रम के पैनलिस्टों का स्वागत किया। उन्होंने उत्सुकता व्यक्त की कि छात्रों को उस ज्ञान से खुद को समृद्ध बनाना है जो पैनलिस्ट प्रतिभागियों के साथ साझा करेंगे।

पैनलिस्टों से पूछा गया पहला सवाल था: युवाओं के लिए किस तरह के करियर के अवसर उपलब्ध हैं?

पैनलिस्ट की ओर से श्री सुजीत कुमार ने बातचीत की शुरुआत करते हुए कहा कि युवाओं को प्रौद्योगिकी और एआई सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हर चीज़ एक अवसर है जो पेशा हमें देता है। उन्हें आसान और कठिन के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। आसान अवसर वे हैं जिनका हमने अतीत में सामना किया और उन पर विजय पाई। जबकि कठिन अवसर हमारे लिए नए या अनुचित होते हैं।

मानव संसाधन प्रबंधकों के लिए पहला अवसर अनिश्चितताओं का सामना करने के लिए तैयार रहना है। रूढ़िवादी न बनें और सीमाओं से परे सोचने का प्रयास करें।

श्री मनोज क्र. सिन्हा ने कहा कि एआई और आईटी के अलावा, युवाओं को शॉप फ्लोर का काम सीखना चाहिए और कई विकल्प तलाशने चाहिए, विशेष रूप से रुचि के फिलाड में युवाओं को नए अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए और दुनिया क्या पेशकश कर रही है, इसके बारे में जागरूक होना चाहिए। साथ ही जीवन में सफलता के लिए धैर्य और दृढ़ता पर भी जोर दिया।

श्री अमित झा ने कहा कि एआई, चैट जीपीटी और जेमिनी वर्कफोर्स के प्रयोग के बाद इनके बीच मतभेद हो गया। बाजार में बने रहने के लिए सुपर विशेषज्ञता और छिपे हुए उपकरणों का पता लगाना।

दूसरा सवाल जो पैनलिस्ट के सामने रखा गया वह था- हाथ से काम करने के लिए नए लोगों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ पाने के लिए क्या करना चाहिए?

सुश्री कीर्ति सिंहने कहा कि व्यक्तित्व विकास आत्मविश्वास लाता है, छात्रों को यह करना चाहिए, समीक्षा फिर से शुरू करें और नई चीजों के लिए कभी भी 'नहीं' न कहें, सीखने में बदलाव आया है। चूंकि एचआर अपने कार्यबल में कौशल प्रदान करने के लिए भी जिम्मेदार हैं, जेन जेड कार्यबल अपने काम के प्रवाह के साथ सीखना चाहता है। वे अपने निजी समय से समझौता नहीं करना चाहते. इनसे सूक्ष्म पाठ्यक्रमों की नींव पड़ी। इसलिए, मानव संसाधन को कुशल होना चाहिए, मानवीय जुड़ाव के लिए अपने कर्मचारियों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने में सक्षम होना चाहिए।

कार्यक्रम का समापन छात्रों के लिए कुछ मुख्य बातें साझा करने के साथ हुआ, जो इस सम्मेलन के प्रतिभागी भी थे। मुख्य बातें हैं: कौशल, रचनात्मकता, योग्यता और ज्ञान

इन चारों का विश्लेषण करने के लिए किसी तकनीक की आवश्यकता नहीं है। जब इन चारों को डिजिटल ज्ञान के साथ जोड़ दिया जाता है, तो इससे क्षेत्र में व्यक्ति का अस्तित्व बना रहता है।

"ज्ञान, कौशल, स्वयं को विकसित करने की इच्छा शिखर तक ले जाती है।"

एसओएम माननीय वीसी सर के दृष्टिकोण, पैनलिस्टों द्वारा ज्ञान साझा करने, डीन एसओएम और सभी संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए समर्थन और इसे सफल बनाने के लिए छात्रों के प्रयासों को धन्यवाद देता है।